यीशु और उसके प्रेरित ये प्रगट करते हैं कि किस प्रकार एक दूसरे को प्रेम दिखायें

जो बच्चों को सिखाते हैं अध्ययन सी 5 बी पढ़ें

1. **विश्वासियों को मंडली के "देह के जीवन" में आनन्द करने के सहायता करने के लिये अपने दिमाग को तैयार करो।**

आपकी मंडली "मसीह की देह" कहलाती है क्योंकि...

यीशु मंडली कलीसिया का सर है इफिस्सि 5:23

कुछ विश्वासियों को आत्माओं की पहचान का वरदान है वे हमारी आँखें है 1 कुरिन्थि 12:10

कुछ को सिखाने का आत्मिक वरदान है: वे देह का मुंह है इफिस्सि 4:11-12

पवित्र आत्मा सब विश्वासियों को यीशु की सम्पूर्ण देह में रखता है 1 कुरिन्थि 12:13,27

वे जिनको सेवा करने का वरदान है वे हमारे हाथ हैं 1 कुरिन्थि 12:5

वे जो सुसमाचार प्रचारक और प्रेरित होने का वरदान है हमारे पाप तिरस्कृत लोगों के पास सुसमाचार ले जाते हैं। रोमियो 10:15, इफिस्सि 6:15

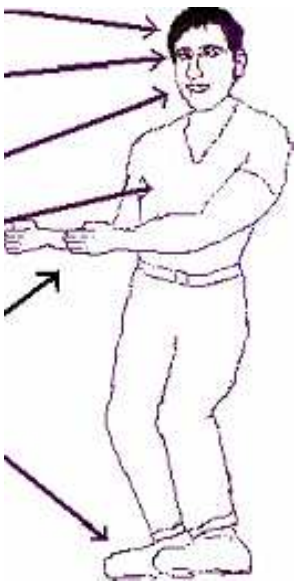

पढ़िये इफिस्सियों 4:11-16 और परिणाम पता करो जो परमेश्वर हमारे वरदानो से क्या चाहता है:-

- यदि कोई सिखाने के वरदान को सही तरह से इस्तेमाल करता है, तो परिणाम क्या होगा? (पद 11 एवं 12)
- यदि शिक्षक केवल सूचना ही लाता है तो वह विश्वासियों को सेवकाई कराने की मदद में असफल है कि परमेश्वर देह की बढोत्तरी चाहता है, तो हर एक के लिये परमेश्वर का उनकी सेवकाई के लिये क्या अभिप्राय है? (पद 13)
- यदि कोई मसीह की पूरी देह में बढ़ने में असफल होता है, जैसा परमेश्वर सेवकाई के परिणाम में चाहता है तब देह का क्या होगा? (पद 14)
- बच्चे बने रहने की अपेक्षा जो हमेशा एक नये बदलाव को चाहता है तो विश्वासियों के साथ कार्य करना चाहिये। जिस प्रकार हमारे शरीर के भिन्न अंग एक दूसरे की सेवा करते हैं। शरीर के इन अंगों का ताल मेले कौन बढ़ाता है? (पद 15 और 16)

विश्वासियों को एक दूसरे की सेवा करने के लिये मसीह के अधीन रहने के लिये तैयारी करनी चाहिये। रोमियो अध्याय 12 पढ़िये और खोजिये कि वे किस प्रकार एक दूसरे की सेवा करने में तैयारी कर सकते हैं जिस प्रकार नया नियम में तरीके वर्णन किये गये हैं।

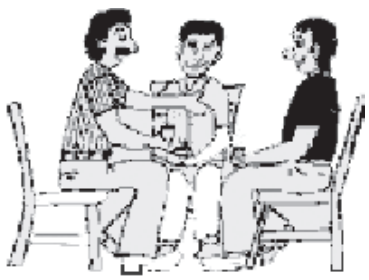

- वह क्या है जिसे विश्वासियों को परमेश्वर को सुधारने या बदलने देना है, जिससे कि उनके वरदान सही आत्मा में इस्तेमाल किये जा सकें? (पद 2)

- आपस में मिलकर एक दूसरे की सेवा की आज्ञा को व्यवहार में लायें।
- परमेश्वर विश्वासियों को नये नियम में पचास बार से अधिक नये नियम में एक दूसरे की सेवा विभिन्न तरीकों से करने की आज्ञा देता है, शिक्षा में एक दूसरे को समर्थ करने एक दूसरे को तसल्ली देने में, एक दूसरे का भार उठाने में सुधारने और एक दूसरे को क्षमा करने में एक दूसरे के सामने अपने पाप मान लेने में
- बायें तरफ के उदाहरण पढ़े और इसे शब्दों को एक दूसरे की "आसा में दाकहनी और लिखें"

अ. उत्पत्ति 33:1-10 बहुत वर्षों के बाद एसाव ने अपने भाई याकूब को घात करने की सोचा जिसने पिता से उसकी आशिषें छीन लिया था, उत्पत्ति 27

ब. नहेमिय्याह 4:16-21 यहूदी जो बंधुवाई से वापस आ गये थे वे यरूशलेम की दीवार एक साथ बना रहे थे।

स. प्रेरित 18:24-28

ड. कुलुस्सियों 1:1-4 और 4:2-4

एक दूसरे को सिखायें रोमियो 14:14, कुलुस्सियों 3:16

एक दूसरे के साथ कार्य करें 1 कुरिन्थि 3:9, 2 कुरिन्थि 6:1

एक दूसरे के लिये प्रार्थना करें याकूब 5:16

एक दूसरे को क्षमा करें इफिस्सियों 3:13;4:32; कुलुस्सियों 3:13

(उत्तर: ए- क्षमा करो। ब- साथ काम करें। स- सिखायें। ड-प्राथना करें)

- एक दूसरे की आज्ञा पी टी एल टी में सी 4 इ में पचास की सूचि शीर्षक परमेश्वर के परिवार में एक दूसरे की सेवा करें में दी गई है।

2. योजना बनायें कि किस प्रकार विश्वासीगण सप्ताह के बीच एक दूसरे की सेवा करेंगे।

जो गतिविधियाँ स्थानिय रीति रिवाज और आवश्यकता में सही बैठती है उन्हें ही चुने।

- एक दूसरे के घर भेंट करने जाओ प्रार्थना करने समझाने और एक दूसरे की सेवा करने
- अपने घर पर दूसरों की पहुनाई करें। कुछ ने अनजाने में स्वर्गदूतों की पहुनाई की (इब्रानी 13:2)
- उन प्रोजेक्टस पर एक साथ काम करो जिससे समुदाय का काम होता है।
- आराधना के पिता जवान बच्चों को गाने मे और वचन पर वार्ता करने का समय उपलब्ध करायें
- दु:खी और बीमारों को देखने जायें और उनके साथ प्रार्थना करें।
- सम्बन्ध बनाने के लिये समय समय पर पार्टिया और भोजन का इन्तजाम लोगों के लिये करें
- लोगों को बाहर घूमने पिकनिक पर ले जायें।
- खेल कूद (इन डोर) विशेषकर वयस्कों के लिये उपलब्ध करायें।
- लोगों के घर की मरम्मत करने में सहायता करें या आवश्यकताओं को पूरा करें।

3. विश्वासियों को आराधना के बीच एक दूसरे की सेवा करने में सहायता करें।

हम लोगों की एक दूसरे की सेवा करने में आराधना के समय कई तरीके से सहायता कर सकते हैं। केवल वे तरीके करें जो झुण्ड को सही बैठते हैं साथ ही लोगों की पृष्ट भूमि में भी सही होता है। इन उदाहरणों को देखें:

- दो या तीन व्यक्तियों का झुण्ड बनायें और एक दूसरे के लिये प्रार्थना करने दें। एक दूसरे को तसल्ली दें कार्य की एक साथ योजना बनायें और मसीह की सेवा करने के लिये एक दूसरे की सहायता करें।

- कुछ मंडलियों के छोटे झुण्ड सप्ताह के बीच में अलग अलग समय पर मिलते हैं, जिससे भाग लेने में सब को समय मिल सके। दूसरे सप्ताह में एक बार लम्बे समय के लिये सभा करते हैं। इस बात में उन्हें छोटे झुन्डों को मिलने का समय शामिल करना चाहिये। खास आराधना के समय, विश्वासियों को गवाही देना चाहिये कि वे कैसे मसीह के पास आये और मसीह को जाने। चंगाई की सूचना करें और मन्डली में रूचि लाने के लिये दूसरी चीज़ों को भी लायें।

4. अगामी आराधना के समय की योजना अपने सहकर्मियों के साथ योजना बनायें।

वर्णन करें कि जब आप भाग 1 कर रहे थे बाइबल से क्या सीखा:

- हम क्यों "मसीह की देह" कहलाते हैं।
- इफिस्सियों 4:11-16 उन परिणामों के विषय जो परमेश्वर सब सेवकाइयों से आशा करता है क्या प्रगट करता है।
- परमेश्वर का हमारे मन को बदलने के द्वारा प्रेम की सेवा की तैयारी की आवश्यकता हैं (रोमियों 12:1-2)
- जब हम एक दूसरे की सेवा करते तो परमेश्वर एक दूसरे के साथ पारस्परिक क्रिया चाहता है।

बच्चों से कहें कि जो नाटक उन्होंने तैयार किया है उसे मन्डली के सामने प्रस्तुत करें, और बाद में बड़ों से इसके बारे में प्रश्न पूछें।

यूहन्ना 13:34 को कंठस्त करें।

जिन गतिविधियों को आपने सप्ताह के बीच करने की योजना बनाई हैं उसकी तैयारी करें और घोषणा करें।

प्रभ भोज प्रस्तुत करने के लिये वर्णन करें कि यीशु की अपने चेलों के साथ की करीबी संगति उसकी मृत्यु के पहले आत्मि रांगि में थी। वे यहूदियों के फसल के वर्ष को खा रहे थे जो पुराने नियम का सबसे पवित्र भोज था। हम उस भोज को प्रभु भोज की तरह मनाते हैं।

दो या तीन के झुण्ड में एक दूसरे की सहायता करें। उन्हें प्रार्थना करने दें। उनकी योजनाओं की पुष्टि करें और एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net